समाचार वाणी

ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

करोड़ों सैलरी क्लास के लिए खुशखबरी : PF खातों मे आया ब्याज, ऐसे करे चेक।

Publisher

Published on 09 Jul 2025

कर्मचारियों के PF अकाउंट मे 8.25% ब्याज जमा, EPFO ने शुरू की प्रक्रिया, जाने अपने खाते का बैलेसं कैसे चेक करे।

नई दिल्ली : सैलरी क्लास के करोड़ों कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। **कर्मचारी भविष्य निधि संगठन** (**EPFO**) ने **वित्त वर्ष 2024-25** के लिए घोषित **8.25% ब्याज दर** के तहत करोड़ों **पीएफ खातों** में ब्याज जमा करना शुरू कर दिया है।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया के अनुसार, अब तक करीब **97% खातों** में ब्याज की रकम जमा हो चुकी है और इस सप्ताह के अंत तक बाकी सभी खातों में भी यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

कितने खातों मे आया ब्याज ?

श्रम मंत्री ने बताया कि 13.88 लाख कंपनियों के करीब 33.56 करोड़ खातों में ब्याज जमा करने की योजना थी, जिसमें से अब तक 8 जुलाई 2025 तक 32.39 करोड़ खातों में राशि जमा की जा चुकी है।

सरकार ने **22 मई 2025 को 8.25% ब्याज** दर को मंजूरी दी थी, जिसके बाद **6 जून** से खाते अपडेट करने का काम शुरू हुआ था।

कैसे चेक करे PF अकाउंट मे जमा ब्याज ?

उमंग ऐप के जरिए चेक करें:

१. **सबसे पहले UMANG ऐप डाउनलोड करे।**

२. **EPFO सेक्शन मे जाएं और 'View Passbook' विकल्प चुने।**

३. **अपने UAN नंबर और OTP के जरिए लॉगिन करे।**

४. **पासबुक मे जंमा हुआ ब्याज देख सकते है।**

EPFO की वेबसाइट से चेक करे:

१. **EPFO की आधिकारिक वेबसाइट** www.epfindia.gov.in **पर जाएं।**
२. **'Our Services' > 'For Employees' > 'Member Passbook' सेक्शन मे जंाएं।**
३. **अपने UAN नंबर और पासवर्ड से लॉगिन करे।**
४. **संबंधित मेबंर ID पर क्लिक कर ब्याज की रकम चेक करे।**
५. **पासबुक को PDF मे डंाउनलोड भी कर सकते है।**

हर साल जमा होता है ब्याज

हर साल केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद **EPFO** खाताधारकों के खातों में ब्याज की राशि जमा करता है। इस साल की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और जो खाते बचे हैं उनमें भी जल्द ही पैसा आ जाएगा।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.